ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हिंदी ऑनलाइन कक्षा

कक्षा - आठवीं

विषय – हिंदी
पाठ : ५
पाठ का नाम :जो बीत गई सो बात गई

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

मौखिक

- **कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–**

(क) सितारा कैसा था?

(क) सितारा बहुत प्यारा एवं सुंदर था।

(ख) अंबर पर क्या चमकते हैं?

(ख) अंबर पर तारे चमकते हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP

(ग) अंबर कब शोक नहीं मनाता?

(ग) तारों के टूटने पर भी अंबर शोक नहीं मनाता।

(घ) कवि किस पर निछावर थे?

(घ) कवि फूलों पर न्योछावर होने की बात करता है।

(ङ) मधुबन कब शोर नहीं मचाता?

(ङ) कलियों तथा फूलों के सूखने एवं लताओं के मुरझाने पर भी मधुबन शोर नहीं मचाता।

ODM EDUCATIONAL GROUP

लिखित

1. जोड़कर लिखिए–

(क) जीवन में एक	(*i*) कितने इसके तारे टूटे
(ख) अंबर के आँगन को देखो	(*ii*) तो सूख गया
(ग) जो छूट गए	(*iii*) कब मधुबन शोर मचाता है
(घ) वह सूख गया	(*iv*) फिर कहाँ मिले
(ङ) बोलो सूखे फूलों पर	(*v*) सितारा था

ODM EDUCATIONAL GROUP

2. संदर्भ सहित भाव स्पष्ट कीजिए–

(क) "कितने इसके तारे टूटे!
कितने इसके प्यारे छूटे!"

(क) **"कितने इसके तारे टूटे! कितने इसके प्यारे छूटे।"**

भाव स्पष्टीकरण–इस पंक्ति के माध्यम से कवि ने यह बताने का प्रयास किया है कि जैसे आसमान से कई तारे टूटते रहते हैं, जबकि वे आसमान की शोभा होते हैं परंतु इसके बाद भी आसमान दुखी नहीं होता उसी प्रकार हमें भी सुख-दुख में समान भाव रखना चाहिए तथा सभी के साथ समान व्यवहार करना चाहिए।

ODM EDUCATIONAL GROUP

(ख) "कब अंबर शोक मनाता है!
जो बीत गई सो बात गई।"

(ख) **"कब अंबर शोक मनाता है।"**

भाव स्पष्टीकरण–इस पंक्ति में कवि ने अंबर अर्थात् आसमान को सबकी ज़िम्मेदारी धारण करने वाला बताया है जो उसके प्रभाव में रहते हैं जैसे–तारे, सूर्य, चंद्रमा आदि। परंतु यह भी बताया है कि किसी कारणवश यदि तारे टूट गए तो आसमान उसके बारे में न सोचकर आगे की स्थिति को सँभालता है। अतः इससे हमें यह प्रेरणा मिलती है कि सदैव सावधानी व धैर्य से कार्य करना चाहिए।

ODM EDUCATIONAL GROUP

(ग) "मधुबन की छाती को देखो,
सूखी कितनी इसकी कलियाँ!"

(ग) **"मधुबन की छाती को देखो।"**

भाव स्पष्टीकरण–इस काव्य पंक्ति का आशय उस बगीचे की स्थिति अर्थात् दुखों को समझना है जिसकी लताएँ हमेशा फूलों से लदी होती थीं परंतु समय-परिवर्तन के कारण वे या तो नष्ट हो गए या फिर इस तरह मुरझा गए कि फिर से खिलने की आशा नहीं है। इस स्थिति में भी मधुबन किसी से बिना कुछ बताए चुपचाप सब कुछ सहन कर रहा है। इस दृष्टांत से कवि यह कहना चाहता है कि कठिन परिस्थिति में हमें धैर्य नहीं छोड़ना चाहिए।

ODM EDUCATIONAL GROUP

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP